भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 974

शुक्रवार 07 फरवरी, 2020 को उत्तर देने के लिए

महिला विज्ञान कांग्रेस

974 . श्री श्रीरंग आप्पा बारणे :

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक :

श्री गजानन कीर्तिकर :

श्री विद्युत बरन महतो :

श्री सुधीर गुप्ता :

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय विज्ञान कांग्रेस के एक भाग रूप में नौवीं महिला विज्ञान कांग्रेस (डब्ल्यूएससी) हाल ही में बंगलौर शहर में सरकार द्वारा आयोजित की गई ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और डब्ल्यूएससी का मुद्दा विषय क्या है;

(ग) उक्त डब्ल्यूएससी में चर्चा किए गए मुद्दे और भाग लेने वाले प्रतिनिधियों की संख्या कितनी है;

(घ) ऐसे डब्ल्यूएससी के आयोजन द्वारा क्या उपलब्धियां प्राप्त हुईं हैं और चर्चा किए गए मुद्दों के परिणाम क्या रहे;

(ड.) क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने महिलाओं को मुख्य धारा में लाकर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लिंग समानता लाकर महिलाओं हेतु कोई विशेष योजना प्रारंभ की है और यदि हां तो योजना-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार का विचार महिलाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की हिस्सेदारी को प्रोत्साहन देने हेतु निकट भविष्य में पूरे देश में ऐसी और कांग्रेस/संगोष्ठियां आयोजित करने का है ?

उत्तर

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री और पृथ्वी विज्ञान मंत्री

(**डा. हर्षवर्धन**)

(क) और (ख): जी हां । 9वीं महिला विज्ञान कांग्रेस (डबल्यूएससी) का आयोजन कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय (यूएएस), बेंगलुरु में 107वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के एक कार्यक्रम के रूप में 05-06 जनवरी, 2020 के दौरान किया गया । 9 वीं महिला विज्ञान कांग्रेस का मुख्य विषय "अनुरक्षणीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाएँ" था।

(ग) और (घ): 9 वीं महिला विज्ञान कांग्रेस में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विविध क्षेत्रों के 1635 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डबल्यूएससी में महिलाओं और बच्चों की पोषण संबंधी चुनौतियों, कृषि अपशिष्ट उपयोग, विज्ञान में महिलाओं को बढ़ावा देने, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, फुलब्राइट फेलोशिप के अवसरों, जैव विविधता और जैव-नियंत्रण, जैव संसाधन संरक्षण, ग्रामीण महिला सशक्तिकरण, गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में महिलाओं के लिए चुनौतियों आदि सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। । महिला विज्ञान कांग्रेस ने कई महिला वैज्ञानिकों को उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाते हुए अग्र स्थान दिया । यह न केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में बल्कि सामाजिक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करने और विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए महिला प्रतिभागियों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। इसने अकादमिक संस्थानों, उद्योगों, प्रशासन आदि की महिला वैज्ञानिकों और नेतृत्वकर्ताओं के काम को समाज की प्रगति में उनकी भूमिका को प्रदर्शित किया और मान्यता प्रदान की।

(ड) किरण के अंतर्गत 'महिला वैज्ञानिक योजना(डब्ल्यूओएस)' डीएसटी का प्रमुख कार्यक्रम है जो विशेष रूप से कैरियर में व्यवधानग्रस्त बेरोजगार महिला वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों को विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के अग्रणी क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए अध्येतावृत्ति सहित करिअर का अवसर उपलब्ध कराता है। महिला वैज्ञानिक योजना के तीन प्रमुख घटक हैं अर्थात (i) बुनियादी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान में अनुसंधान करने के लिए महिला वैज्ञानिक योजना-ए (डब्ल्यूओएस-ए), (ii)परियोजनाओं जिनके लिए सामाजिक लाभ हेतु विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) के आवश्यक सहयोग से जुड़ी परियोजना के लिए महिला वैज्ञानिक योजना-बी (डब्ल्यूओएस-बी) और (iii) महिला वैज्ञानिक योजना –सी (डब्ल्यूओएस-सी) जो उन्हें बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) वृत्तिक बनने में समर्थ बनाती है।

(च) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग भारतीय विज्ञान कांग्रेस के एक कार्यक्रम के रूप में महिला विज्ञान कांग्रेस की सहायता हर साल करता है। जब भी उपयुक्त प्रस्ताव प्राप्त होता है, डीएसटी स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) में महिलाओं से संबंधित सम्मेलनों / सेमिनारों की भी सहायता करता है, उदाहरण के लिए, हैदराबाद विश्वविद्यालय में 'वोमेन इन फिजिक्स' सम्मेलन को विभाग द्वारा सहायता दी गयी । साथ ही कोलकाता में इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (आईआईएसएफ़) के तहत महिला सम्मेलन को भी जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर वुमन कॉन्क्लेव के अतिरिक्त, डीएसटी द्वारा सहायता प्रदान की गई।

****